संख्या-173 /2019 / 2923 /चार-2019

प्रेषक,

शिशिर,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय,
लखनऊ ।

संस्कृति अनुभाग: **लखनऊ: दिनांक: 26 दिसम्बर , 2019**

विषय:- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर की बाल वीथिका के गठन/सुदृढीकरण संबंधी अवशेष कार्यो को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 801/उ0प्र0सं0नि0-1(56)/2019-20, दिनांक 03 अक्टूबर, 2019 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर की बाल वीथिका के गठन/सुदृढीकरण संबंधी अवशेष कार्यो को पूर्ण कराये जाने हेतु रू0 6.25 लाख (रूपये छ: लाख पच्चीस हजार मात्र) की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तो के अधीन प्रदान की जाती है:-

1- उक्त स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन प्रदान की जाती है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और स्वीकृत मदों पर ही व्यय की जायेगी, अन्य मदों अथवा व्यय की नई मदों पर व्यय हेतु कदापि उपयोग नहीं की जायेगी और स्वीकृत धनराशि में से यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा।

2- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि इन धनराशियों का प्रदेशन ही अकेले किसी प्रकार के व्यय करने का अधिकार नहीं देता, व्यय करने के लिए बजट मैनुअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों अथवा अन्य स्थाई आदेशों से शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की, जहॉ आवश्यकता हो, व्यय करने के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।

3- उक्त आहरित धनराशि बैंक/पोस्ट आफिस में जमा नहीं की जायेगी। उपर्युक्त स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग के मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों तथा व्यय पर नियंत्रण के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-170/दस-2019-231/2019 , दिनांक 22 मार्च, 2019 एवं वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के नियमों व इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गई शर्तो की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डडर्स आफ फाइनेशियल प्रोप्राइटरी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in/

5- उक्त स्वीकृत धनराशि का का उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा व्यय का विवरण, बिल बाउचर्स आदि शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

6- उक्त धनराशि रू0 6.25 लाख (रूपये छः लाख पच्चीस हजार मात्र) चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-92- के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर-107-संग्रहालय-03-अधिष्ठान व्यय-42-अन्य व्यय, उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ मद में उपलब्ध धनराशि से वहन की जायेगी।

7- यह आदेश वित्त वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-170/दस-2019-231/2019 , दिनांक 22 मार्च, 2019 में प्राप्त दिशा निर्देशों के अन्तर्गत प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(शिशिर)
विशेष सचिव

संख्या- /2019/ 2923 /चार-2019तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. प्रधान महालेखाकार, (लेखा व हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 इलाहाबाद।
2. मुख्य कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ।
3. उपनिदेशक, राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर।
4. वित्त (लेखा) अनुभाग-1/वित्त (ई-7) अनुभाग, उ0प्र0 शासन।
5. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(शिशिर)
विशेष सचिव

http://shasanadesh.up.nic.in/

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।